

रिपोर्ट पटवारी.....तहसील.....जिला.....

प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्य सही है। ग्राम.....
की खाता संख्या.....में प्रार्थी का नाम.....
दर्ज है, जबकि प्रार्थी के नाम सरकारी दस्तावेजों में सही नाम.....
दर्ज है। खाते में दर्ज नाम प्रार्थी के नाम का विकृत रूप/अपभ्रंश है। अतः ग्राम.....
की खाता संख्या.....में दर्ज नाम.....
के बजाय सही इन्द्राज..... दर्ज किया जाना उचित है।

35 2/1

हस्ताक्षर/पटवारी

भू-अभिलेख निरीक्षक
...

कार्यालय तहसीलदार.....जिला.....

भू-अभिलेख निरीक्षक एवं पटवारी हल्का की रिपोर्ट अनुसार ग्राम.....
जमाबन्दी की खाता संख्या.....में दर्ज नाम.....
के बजाय सही नाम..... दर्ज किया जाना
उचित है।

...

...

...

हस्ताक्षर/तहसीलदार
...

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी.....जिला.....

(... राहत केस वरम्बेडा)

प्रकरण संख्या...../2023

दिनांक.....

5805
19/6/23

आदेश

प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार अरनोद की रिपोर्ट एवं संलग्न दस्तावेजों
के आधार पर राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 136 के तहत ग्राम.....
की जमाबन्दी की खाता संख्या.....में दर्ज नाम/इन्द्राज.....
के बजाय सही नाम/इन्द्राज..... दर्ज करने
की स्वीकृति प्रदान की जाती है। तहसीलदार अरनोद आदेशानुसार राजस्व रिकार्ड में
अमल दरामद कर पालना करें।

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड, चाकसू